GENERAL STUDIES (Module – 2)

निर्धारित समय: तीन घंटे Time allowed: Three Hours	DTVF/19 (N-M)–M–**GS12**	अधिकतम अंक: 250 Maximum Marks: 250

Name: Ravi Kumar Sihag **Mobile Number:** _____

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:** AWAKE-19 / B-001

Center & Date: Delhi 24/07/18 **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 1111762

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें तेरह प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **THIRTEEN** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1 (a)		7 (a)	
1 (b)		7 (b)	
2 (a)		7 (c)	
2 (b)		8	
3 (a)		9	
3 (b)		10	
4 (a)		11	
4 (b)		12	
5		13	
6			
Grand Total (सकल योग)			

_____

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)

Evaluator (Signature)

_____

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)

Reviewer (Signature)

खंड - क / SECTION - A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. (a) "लोक सेवा कल्याणकारी राज्य का मूल उद्देश्य है।" इस कथन के संदर्भ में उन 'लोक सेवा मूल्यों' का विस्तृत विवरण प्रस्तुत कीजिये, जिनकी सभी लोक सेवकों को आकांक्षा करनी चाहिये। (150 शब्द) 10

"Public service is the basic objective of the welfare state". In the context of this statement, enumerate 'Public Service Values' towards which all public servants should aspire. (150 words) 10

महात्मा गांधी के अनुसार "प्रशासन के द्वार पर आया कोई भी नागरिक प्रशासन के अधीन नहीं है, बल्कि प्रशासन उसके अधीन है।" "भारतीय संविधान की प्रस्तावना हम भारत के लोग" इसी प्रतिपाद्य को घोषित करती है।

लोकसेवा के मूल्य

1. **सत्यनिष्ठा** → मनसा, वाचा कर्मणा आंतरिक सुसंगति।
   उदा० – टी. एन. शेषन जैसे चुनाव आयुक्त

2. **संवेदना** → निम्न वर्गों की निम्न दशाओं को अनुभव कर पाने की क्षमता।
   उदा० – ऑमस्ट्रांग पेम द्वारा निम्न वर्गों हेतु सड़क निर्माण।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

③ गैर-पक्षपात :- हमेशा वस्तुनिष्ठ आधारों पर बिना पूर्वाग्रह के निर्णय लेना।
उदा० न्यायपालिका।

④ सेवा-भावना :- अपनी सेवा या पद को मालिक के बजाय न समझ, सेवा के अवसर के रूप में समझना।
उदा० शिवदीप वमन लान्डे जैसे अफसर जो अपनी सेवा के बाहर भी वेतन दान करते हैं।

⑤ दृढ़ता :- जुझारूपन बनाये रखते हुए विपरीत परिस्थितियों में हौसला बनाये रखना।
उदा० रेमा राजेश्वरी (IPS तेलंगाना) द्वारा मॉब लिंचिंग पर लगाम लगाने का कार्य।

⑥ राजनीतिक तटस्थता :- किसी भी पार्टी से झुकाव न रखना।
- चुनाव आयुक्त व कैग जैसी संस्थानों के लिये

अन्य मूल्यों में प्रतिबद्धता, साहस, करुणा आदि मूल्य भी आते हैं जो कि सेवा के भावना को आगे बढ़ाते हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) शासन में शुचिता को सुनिश्चित करने हेतु 'आपराधिक न्याय प्रणाली' को सुदृढ़ता प्रदान करना सबसे आवश्यक है। विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

Strengthening of the 'Criminal Justice System' is one of the most important requisites for ensuring probity in governance. Analyse. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

शुचिता (Probity) शब्द लैटिन भाषा के 'प्रोबस' से बना है जिसका अर्थ है 'अच्छा व उचित'। दिक व काल (Space & time) के हर स्तरों पर उच्चतम मूल्यों पर बने रहना शुचिता कहलाता है।

शासन में शुचिता :- इससे तात्पर्य है कि शासन के लिये उन नैतिक मानदंडों पर बने रहना जिससे लोकसेवा व लोककल्याण के मूल्य प्रदान किये जा सके।

आपराधिक न्याय प्रणाली व शुचिता :-

(i) कानूनों की कठोरता से भय निर्माण
उदा० भ्रष्टाचार निरोधी विधेयक।

(ii) इस प्रणाली में सुधार करने से जनता पर अनावश्यक प्रशासनिक दबावों में कमी आती है जैसे - पुलिस सुधार कानून।

(iii) कई स्तरों पर अभियोजन, ट्रायल व दोषसिद्धी के कानूनों व प्रक्रियाओं में

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

आई विसंगतियों से जनता भी प्रभावित होती है, व अधिकारियों का मनोबल भी प्रभावित होता है जैसे - शासन में यातना, गलत व्यक्ति को सजा मिलना।

किन्तु केवल यह न्याय प्रणाली ही शुचिता को निर्धारित नहीं करेगी। अन्य स्तर भी उतने ही महत्वपूर्ण है जैसे -

(क) नैतिक मूल्य समावेशन (सत्यनिष्ठा, संवेदना आदि) → प्रशिक्षण में पद के दौरान कोड ऑफ कंडक्ट व कोड ऑफ एथिक्स

(ख) प्रशासनिक सुधार :- उदा० सुशासन में सोपानक्रम सुधार व आभिजात्यता को कम करना।

(ग) संस्थागत सुधार :- लोकपाल, सतर्कता आयोग जैसी संस्था।

(घ) न्यायिक उपागम - सत्यनिष्ठ परीक्षा
- प्रतिस्पर्धी कार्य संस्कृति सुधार।

(ङ) सामाजिक समावेशन करना।

अतः आपराधिक न्याय प्रणाली में सुधार ज़रूरी है किन्तु अन्य स्तर भी कम महत्वपूर्ण नहीं है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. (a) जब लोक प्रशासकों पर नियंत्रण कमज़ोर होता है तथा राजनीतिक कार्यकारिणी एवं नौकरशाही के मध्य शक्ति का वितरण अस्पष्ट होता है तो भ्रष्टाचार की गुंजाइश बढ़ जाती है। सिद्ध कीजिये। (150 शब्द) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

The scope for corruption increases when control on the public administrators is fragile and the division of power between political executive and bureaucracy is ambiguous. Justify. (150 words) 10

प्रामाणिक परिभाषा के अभाव में भ्रष्टाचार को सामान्यतः 'न करने' वाले कार्यों को 'करने' व 'करने' वाले कार्यों को न करने के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।

लोक प्रशासकों पर नियंत्रण व भ्रष्टाचार :-

(क) जवाबदेही → नियंत्रण बनाती है किन्तु जब जवाबदेही कम होती है तो सिविल सेवकों में ग़लत कार्यों को छिपाने की संभावना बढ़ जाती है। उदा० सिटीजन चार्टर के बाद भ्रष्टाचार के खुलासे।

(ख) पारदर्शिता व जनभागीदारी के अभाव में भ्रष्ट आचरणों का पर्दाफाश करना कठिन होता है। उदा० - आर-टी. आई द्वारा आदर्श सोसाइटी घोटाला

(ग) आज़ादी के बाद बढ़ते केन्द्रीकरण के कारण 'लाइसेंसराज' व 'इंस्पेक्टर राज' की समस्या

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

नियंत्रण की कमी का परिणाम थी।

राजनेताओं व नौकरशाही का शक्ति वितरण

(i) अस्पष्टता से जवाबदेही में कमी।

(ii) एक-दूसरे को ज़िम्मेदार ठहराना।

(iii) वस्तुनिष्ठ नियम विवेकाधीन शक्तियों की मात्रा में वृद्धि करते हैं।- उदा० 2-जी स्कैम, कोयला घोटाला आदि।

(iv) नीतियों, कानूनों व कार्यान्वयन के स्तर पर शक्ति अस्पष्टता भ्रष्टाचार को जन्म देती है।

इस प्रकार उपर्युक्त उदाहरण सिद्ध करते हैं कि इन दोनों प्रवृत्तियों पर अंकुश लगाकर हम भ्रष्टाचार जैसी समस्या पर काबू पा सकते हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) "हर साधन से अपनी संपत्ति अर्जित करो, परंतु यह समझो कि तुम्हारे द्वारा अर्जित धन तुम्हारा नहीं, समाज का है।" महात्मा गांधी के इस कथन का भारत में कॉर्पोरेट शासन व्यवस्था की वर्तमान स्थिति के संदर्भ में विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

"Earn your wealth by all means. But understand your wealth is not yours; it belongs to society." Analyse this statement of Mahatma Gandhi with reference to present state of corporate governance in India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

महात्मा गांधी का यह कथन उनके 'ट्रस्टीशिप' सिद्धान्त का वर्णन करता है जहाँ पर संपत्ति का धारक उसका मालिक नहीं बल्कि ट्रस्टी होता है।

आज के समय में कॉर्पोरेट शासन व्यवस्था उस व्यवस्था को कहा जाता है जो सभी हितधारकों के भले के लिये काम करे।

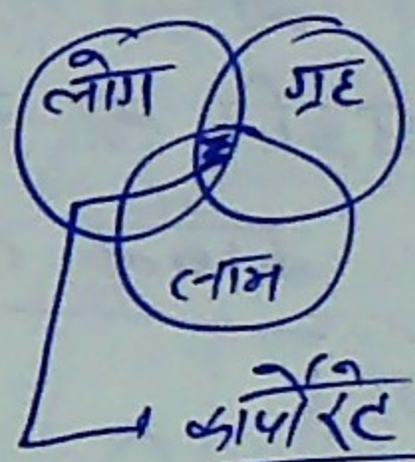

* वर्तमान समय में कॉर्पोरेट शासन की समस्याएँ

(क) केवल लाभ प्राप्ति पर बल :
उदा० वॉलमार्ट की अनैतिक प्रक्रियाएँ।

(ख) प्राकृतिक संसाधनों का अनुचित दोहन (अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ)

(ग) सामाजिक उत्तरदायित्व की कमी

(घ) विभिन्न घोटाले - उदा० सत्यम् घोटाला

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(ङ) कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (CSR) का उचित वितरण न करना।

* गांधीजी के सिद्धान्त की प्रासंगिकता व उपयोगिता

(क) सामाजिक असमानता कम करने में कॉर्पोरेट की भूमिका - उदा० अजीम प्रेमजी द्वारा विभिन्न समाज-कल्याण कार्य।

(ख) अधिकार के साथ-साथ उत्तरदायित्वों की पूर्ति।

(ग) प्रकृति का संरक्षण :- उदा० अनेक कंपनियों द्वारा 'कार्बन तटस्थ प्रौद्योगिकियों' का प्रयोग।

(घ) समस्त हितधारक संरक्षण।

हालांकि 'लाभ' व 'आर्थिक समृद्धि' के प्रेरक विचारों को लेते हुए व्यवहार्यतः इस सिद्धान्त को निगमों में प्रविष्ट नहीं कराया जा सकता किन्तु मूल्यों के स्तर पर इसकी व्यवहार्यता निरापद है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. (a) सूचना का अधिकार (आर.टी.आई.) अधिनियम एक पथ प्रदर्शक विधान है, जो गोपनीयता के अंधकार से पारदर्शिता के युग में प्रवेश का संकेत देता है। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

The Right to Information (RTI) Act is a path-breaking legislation which signals the march from darkness of secrecy to the dawn of transparency. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

सूचना का अधिकार एक नागरिक मार्गदर्शक है जो कि शासन में गोपनीयता की संस्कृति से पारदर्शिता की संस्कृति व जनभागीदारी उन्मुख शासन पद्धति का द्योतक है।

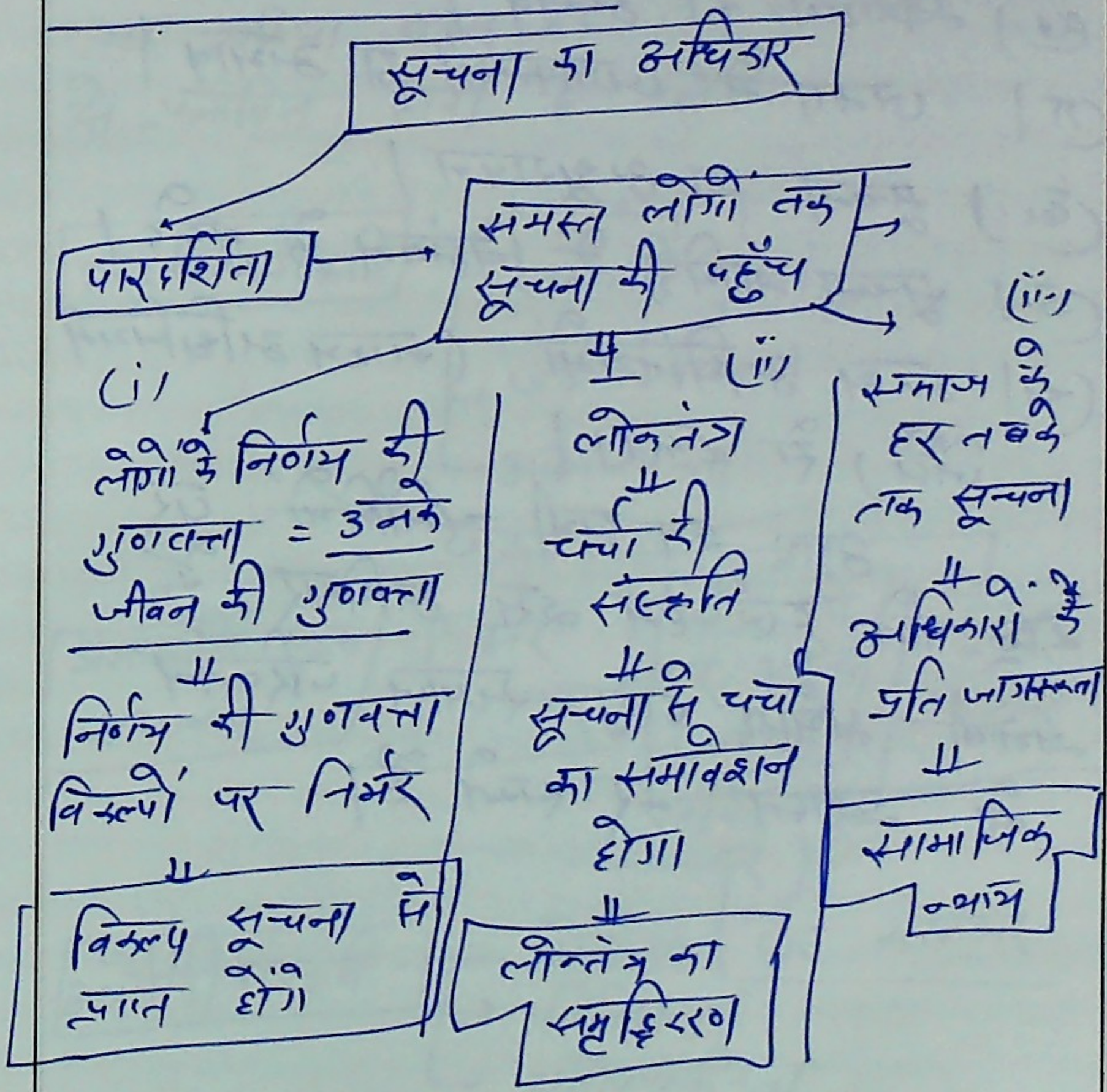

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(iv) प्रशासन की जवाबदेही बढ़ेगी ⟶ दक्ष व लोकोन्मुखी प्रशासन

(v) संविधान के अनुच्छेद 19(i) का संरक्षण।

किन्तु इतने सब लाभों के बाद भी कुछ चुनौतियाँ विद्यमान है-

(क) जन सूचना अधिकारियों की कमी।

(ख) प्रशिक्षण का अभाव।

(ग) जनता में जागरूकता का अभाव।

(घ) सूचना का अधूरापन।

(ङ) सूचना याचिका के विलंबन के मुद्दे।

(च) अन्य अधिनियमों (साक्ष्य अधिनियम जैसे) से टकराव।

अतः इन सभी चुनौतियों पर काबू पाते हुए हम इस अधिकार के प्रभावी प्रयोग द्वारा समाज परिवर्तन को प्रशस्त कर सकते है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) प्रशासनिक व्यवहार समाज की सामान्य संस्कृति की एक उप-संस्कृति है। समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

The administrative culture is a sub-culture of the common culture of the society. Critically examine. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

'प्रशासनिक व्यवहारों' से तात्पर्य प्रशासन द्वारा अपने संगठन, प्रशासन का ~~दर्शकों~~ दर्शन व अपने नागरिकों के प्रति किये जाने वाले व्यवहारों के समुच्च से है। यह प्रक्रिया बहुत हद तक सामान्य संस्कृति से प्रभावित होती है जैसे -

भारतीय संस्कृति
- पितृसत्ता।
- सामंतवादी मूल्य।
- जाति व्यवस्था।
- आभिजात्यता

→ प्रशासन में पुरुष प्रधानता | 'सर' कल्चर | बड़े पदों पर उच्च जातियाँ (सचिव स्तर पर) | सूटबूट कल्चर

अमेरीकी संस्कृति
- मेल्टिंग पोट कल्चर
- विविधता
- अनौपचारिकता

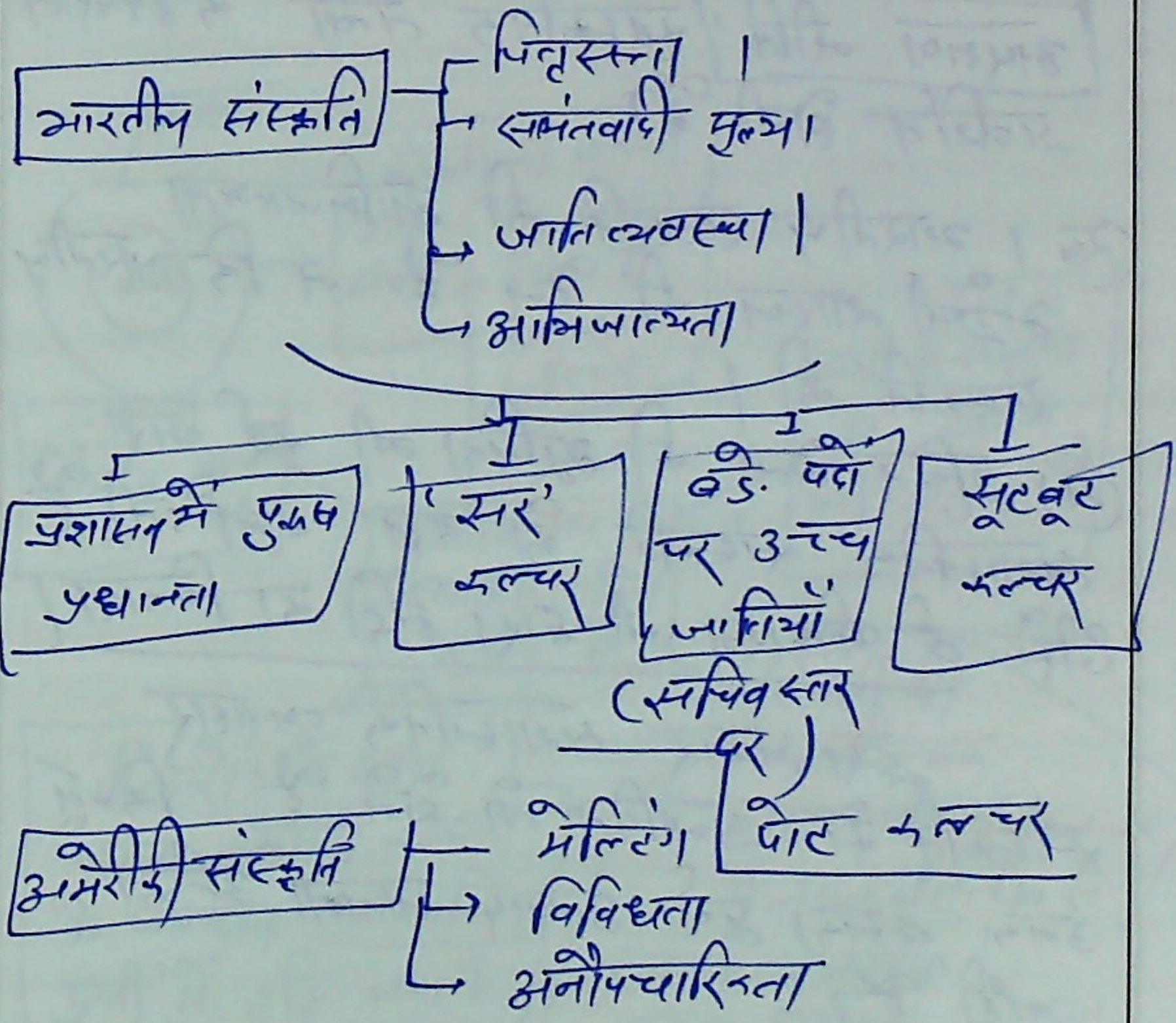

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

तो अमेरीकी प्रशासन में भी विविधता के साथ-साथ अनौपचारिक तत्वों की बहुलता रहती है।

→ जापान के प्रशासन का 'समग्र सबन्धन' वहाँ की संस्कृति का उत्पाद है।

किन्तु ऐसा नहीं है कि हर तत्व संस्कृति से ही प्रेरित हो जैसे -

(क) कानून व नीतियों की भूमिका - अमेरीका की विविधता पालिसी व भारत में निहित 'आरक्षण नीति' सांस्कृतिक तत्वों के विपरीत प्रदर्शित होती है।

(ख) भारतीय संस्कृति की आभिजात्यता अंग्रेजी शासन की देन है न कि भारतीय संस्कृति की।

(ग) उचित नेता की भूमिका भी कई बार प्रशासनिक संस्कृति को दक्ष बना देती है जैसे ई. श्रीधरन जी द्वारा मैट्रो का विकास।

इस प्रकार प्रशासनिक व्यवहार संस्कृति से प्रभावित तो होते हैं किन्तु उनके इसका पूर्ण उत्पाद मानना उचित नहीं है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

4. (a) निगमित (कॉर्पोरेट) सामाजिक दायित्व (सी.एस.आर.) केवल एक सामाजिक दायित्व नहीं है बल्कि एक नैतिक दायित्व भी है। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

Corporate Social Responsibility (CSR) is not just a social responsibility but a moral obligation too. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

~~कुमार मंगलम बिड़ला समिति के अनुसार~~

भारत में कंपनी अधिनियम - 2013 के तहत कॉर्पोरेट शासन में सामाजिक दायित्व (CSR) की धारणा प्रस्तुत की गई जिसके अनुसार कंपनी के अपने निश्चित लाभ का कुछ हिस्सा सामाजिक कार्यों में लगाना होगा।

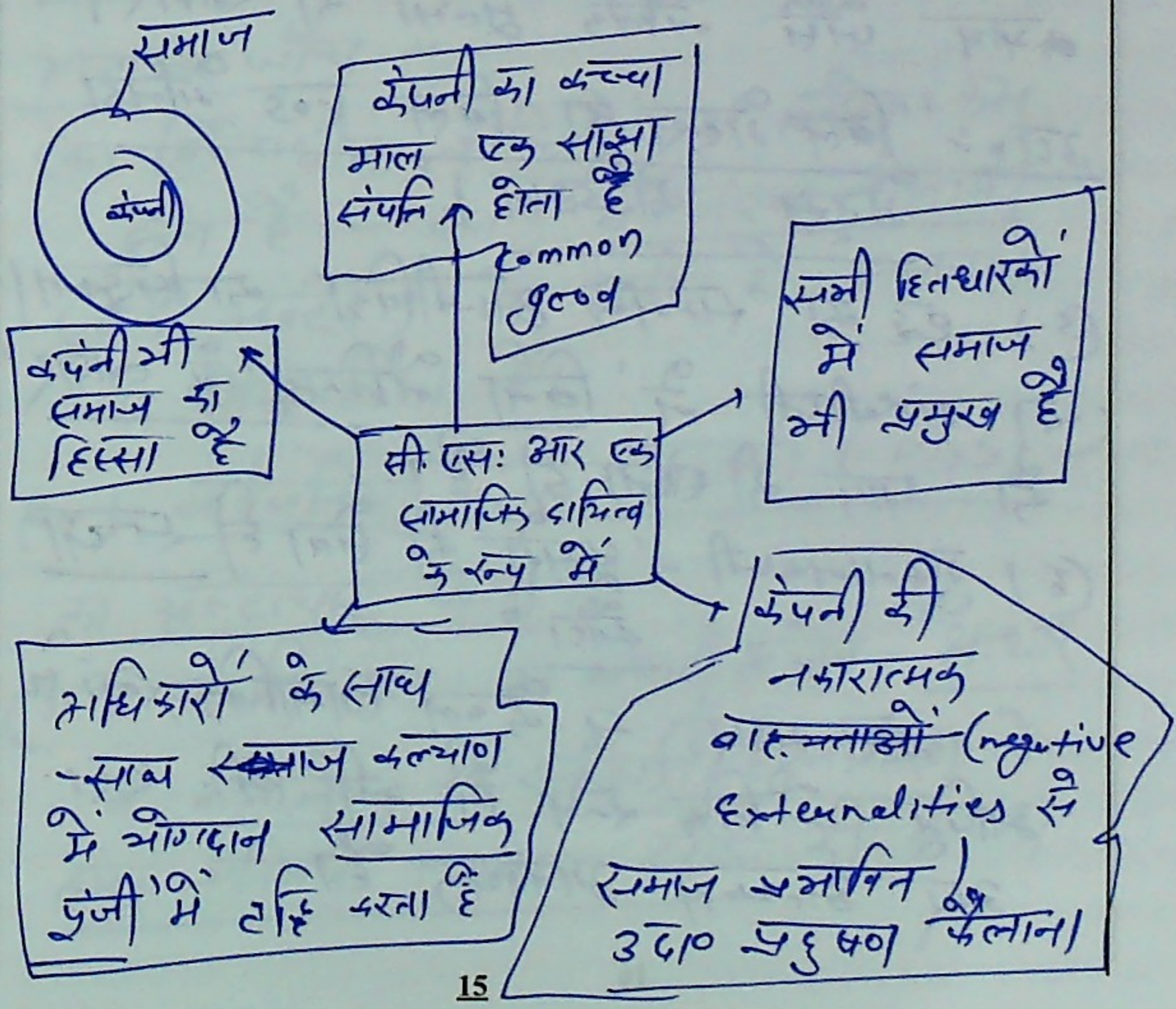

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सी. एस. आर. का नैतिक पक्ष :-

(क) यह पृथ्वी सबकी है केवल एक कंपनी की नहीं। (गांधीजी का ट्रस्टीशिप सिद्धान्त)

(ख) किसी एक का लाभ दूसरे की हानि नहीं बन सकता (हर व्यक्ति साध्य, साधन नहीं)

(ग) कांट के अनुसार "कर्त्तव्यपालन केवल कर्त्तव्यपालन के लिये होना चाहिये" (कंपनी के समाज के प्रति कर्त्तव्य)

(घ) परोपकार, दान, संवेदना, सामाजिक न्याय जैसे नैतिक मूल्यों की खातिर।

उदा॰ :- 'बिल गेट्स का बिल एण्ड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन।'

(ङ) बुद्ध का सम्यक आजीविका का सिद्धान्त।

(च) गांधीजी ने 'बिना नैतिकता के व्यापार' को पाप की संज्ञा दी है।

(छ) गुरुनानकजी - 'दूसरों की सेवा ही सच्चा सौदा"

इस प्रकार न केवल सामाजिक रूप से अपितु नैतिक रूप से भी सी. एस. आर. अत्यन्त आवश्यक है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) लोक सेवा वितरण प्रणाली में भ्रष्टाचार की जाँच तथा पारदर्शिता बढ़ाने के लिये ई-शासन महत्त्वपूर्ण है। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

e- Governance is vital for checking corruption and enhancing transparency in the public service delivery system. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

"ई-शासन से तात्पर्य है कि शासन में इलेक्ट्रॉनिक व सूचना प्रौद्योगिकी, संचार प्रौद्योगिकी का प्रयोग करना।" उदा० के लिये "डिजीटल इंडिया कार्यक्रम के विभिन्न स्तंभों के तहत ई-शासन।"

उपयोगिता

भ्रष्टाचार जाँच में

(क) विवेकाधीन शक्तियों का प्रयोग कम होता है - उदा० ऑनलाइन नीलामी (डेके, आवंटन) ने सभी को समानता का मौका दिया है।

(ख) सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) का भ्रष्टाचार खत्म।

(ग) सरकारी फंड का प्रभावी प्रयोग - "आधार" व बायोमैट्रिक से सब्सिडी हस्तान्तरण के द्वारा प्रतिवर्ष 1 लाख करोड़ की बचत।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(घ) खर्च का अंकेक्षण आसानी से - उदा० प्रगति प्लेटफॉर्म, जी. ई. एम (GEM)

(ङ) जन सामान्य भी अपने स्तर पर सरकारी सेवाओं की जाँच कर सकता है जैसे ऑनलाइन सूचना प्राप्ति।

पारदर्शिता वृद्धि कैसे?

(i) UPAAI जैसे प्लेटफॉर्म द्वारा/

(ii) माय गाव डॉट इन (my gov.) जैसे प्लेटफॉर्म ~~बॉटम, आप~~ 'बॉटम अप' एप्रोच का उदाहरण।

(iii) ऑनलाइन शिकायत करना।

(iv) सभी निर्णय, फंड, कार्यान्वयन की ऑनलाइन उपलब्धता से जवाबदेही का बढ़ना।

(v) 360° निगरानी का संभव होना।

इस प्रकार ई शासन ने भ्रष्टाचार उन्मूलन हो या पारदर्शिता वृद्धि - दोनों स्तरों पर शासन को प्रभावी बनाया है

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. 'अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में मूल मुद्दा यह है कि किसी एक के हितों के साथ दूसरे के मूल्यों का मिलान कैसे किया जाए।' विवेचना कीजिये। (150 शब्द) 10

A basic issue in international relations is how to reconcile one's interests with values one professes. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों की नैतिकता पर विचार करने पर हम यहाँ अनेक प्रकार के मत पाते हैं जैसे - आदर्शवादी, यथार्थवादी आदि। किन्तु इन सभी मतों में एक मत यह प्रचलित है कि लगभग सभी देश अपने 'राष्ट्रीय हितों' को प्राथमिकता देते हैं और इसके लिये वे अपने मूल्यों से भी समझौता कर लेते हैं-

जैसे -

(क) अमेरीका द्वारा मध्य-पूर्व में हस्तक्षेप करना।

मूल्य
- लोकतंत्र, उदारवाद शांति स्थापना

हित
- ऊर्जा ज़रूरतें
- कंपनियों का लाभ

(ख) आतंकवाद के मूल्य विषय पर जब परिभाषा तय करने की बात आती है तो प्रायः सहमत न बनने का कारण यह है कि 'शांति' का मूल्य तो सभी अपनाते हैं किन्तु

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti दृष्टि The Vision

सभी अपने हितों के अनुरूप इसकी परिभाषा तय करना चाहते हैं।

(ग) नव-उपनिवेशवाद भी मूल्यों के स्तर पर समानता, पिछड़े राष्ट्रों के विकास पर केन्द्रित है किन्तु स्पष्टतः इससे विकसित राष्ट्र अपने व अपनी कंपनियों के हित ही साधते हैं।

अन्य उदाहरण-

(क) पर्यावरणीय वित्तीयन का मुद्दा।

(ख) निःशस्त्रीकरण का मुद्दा

इस प्रकार इन सभी विरोधाभासों को रोकने का उपाय यह है कि-

(क) वैश्विक नैतिकता बनाये जाने के प्रयास हों

(ख) संयुक्त राष्ट्र का लोकतांत्रिकरण हो।

(ग) विकसित व विकासशील देशों के नियम अलग-अलग हो (common but differential responsibility)

इन सभी प्रयासों से कुछ हद तक इन मुद्दों को हल किया जा सकता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. लोक सेवा के संदर्भ में निम्नलिखित पदों की प्रासंगिकता का उदाहरण सहित परीक्षण कीजिये: (150 शब्द) 10

Examine the relevance of the following in the context of civil service by citing relevant examples: (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(a) लक्ष्य के प्रति सत्यनिष्ठा

Honesty of purpose

लक्ष्य के प्रति सत्यनिष्ठा से तात्पर्य है कि किसी भी उद्देश्य की प्रतिपूर्ति हेतु सोचने, बोलने व करने (मनसा, वाचा, कर्मणा) में आंतरिक सुसंगति का होना।

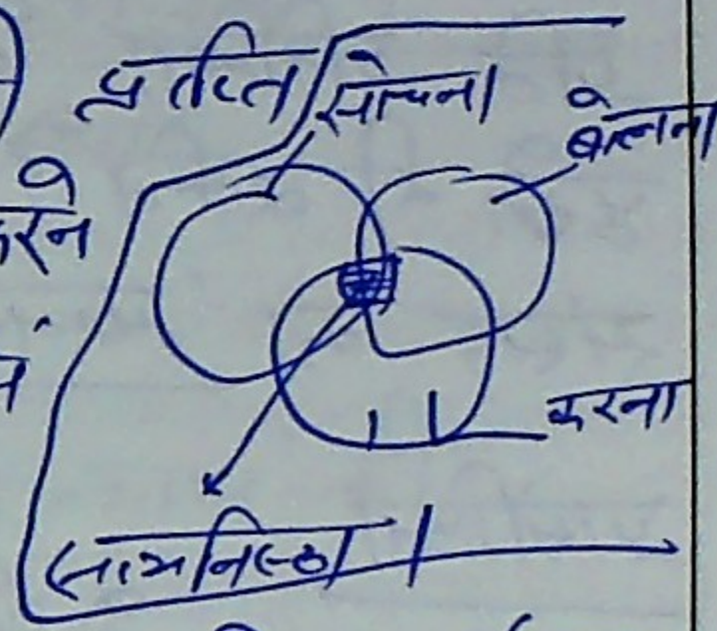

उ.दा. लाल बहादुर शास्त्री द्वारा रेल दुर्घटना होने पर पद से इस्तीफा देना।

प्रासंगिकता :-

(i) लोकसेवा के सिद्धान्त व व्यवहार में असंगति नहीं रहती है।

(ii) विभिन्न मूल्यों के स्तर पर सुसंगति।

(iii) प्रशासनिक दायित्वों में ईमानदारी।

उदाहरण के लिये राजस्थान के समित शर्मा जैसे लोकसेवक।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) जवाबदेहिता

Accountability

जवाबदेहिता से तात्पर्य है कि अपने किये गये कृत्यों, निर्णयों, शक्ति प्रयोगों के संबंध में उठने वाले सवालों के प्रति प्रतिक्रिया देना व जनता को सवाल पूछने की शक्ति देना। इसका सामान्य उदाहरण संसद का 'प्रश्नकाल' है

प्रासंगिकता

(i) सुशासन को दक्ष बनाने में।
(ii) जन आपूर्ति तंत्र को दक्ष बनाने में।
(iii) समाज कल्याण के व्यय की जाँच करने में।
(iv) लोकसेवा वितरण में हुई विसंगति हेतु अधिकारियों को जवाबदेह बनाना।

उदा० सिटीजन चार्टर एवं उसका सर्वोत्तम मॉडल।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(c) विधि का शासन

Rule of law

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

विधि के शासन से तात्पर्य है कि शासन के सभी कार्य विधियों के द्वारा ही निर्धारित होंगे न कि किसी एक निरंकुश व्यक्ति की सनक पर। उदा. इंग्लैण्ड के द्वारा भारतीय संविधान में स्थापना

प्रासंगिकता

(i) लोकसेवा में 'सामाजिक न्याय' की अवधारणा के संबंध में।

(ii) कोई भी लोकसेवक अपनी इच्छा से निरंकुश कार्य नहीं कर सकता। उसे इसके लिये संविधान व कानूनों पर ही निर्भर रहना होगा।

(iii) दोषी लोकसेवाओं हेतु दंड को प्रभावी बनाने में।

उदा० हालिया समय में कुछ दोषी केन्द्रीय सेवकों को हटाना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(d) हित-संघर्ष

Conflict of interest

हित संघर्ष से तात्पर्य कार्य करते समय विभिन्न पहचानों (एक ही व्यक्ति की) के हितों के मध्य संघर्षों का उठना।

उदा० पारिवारिक दायित्व बनाम पद के दायित्व।

प्रासंगिकता

(i) लोकसेवा में इनसे आज भी अनेक व्यक्तियों को जूझना पड़ता है।

(ii) निर्णय लेते समय सोपानक्रम निर्धारण में कठिनाई।

उदा० के लिये संयुक्ता पराशर (IPS, असम) ने एक मां होने के साथ-साथ बोडो विद्रोहियों के विरुद्ध ऑपरेशन के समय पद के कर्त्तव्यों पर अधिक ध्यान दिया।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(e) प्राकृतिक न्याय का सिद्धांत

Principles of natural justice

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्राकृतिक न्याय सिद्धान्त से तात्पर्य है कि ऐसे सिद्धान्तों का समुच्चय से ही है जो आगामी कानूनों के मार्गदर्शन का काम करते हैं। इसके कुछ सिद्धान्त लोकदेवा में प्रासंगिकता रखते है जैसे -

(i) निमो जुडेक्स इनकॉसा सुआ (nemo judex incausa sua) कोई भी अपने मामले में निर्णय नहीं ले सकता।

(ii) ऑडी अल्टरम पार्टम (Audi Alteram partem) - दोषी को बिना सुनवाई के सजा नहीं।

(iii) ऑथोरिटी वेनाफाइड (अधिकारी विश्वास पर काम करेंगे)

→ लोक विश्वास की संकल्पना
→ दोषी अधिकारियों पर कार्यवाही आदि का संबंध में प्रासंगिता।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. वर्तमान संदर्भ में निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके लिये क्या अर्थ है?

What do each of the following quotations mean to you in the present context?

(a) "न्याय-परायणता शांति तथा सुशासन की आधारशिला है।" -कन्फ्यूशियस (150 शब्द) 10

"Righteousness is the foundation stone of peace and good governance." – Confucius (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

न्याय पराणयता से तात्पर्य किसी भी विचार मुद्दे पर उसके उचित-अनुचित पक्षों पर विचार करते हुए निष्पक्षता व गैर-भेदभाव से निर्णय लेना।

→ न्याय पराणयता ही 'विधि के शासन' की आधारशिला है

किसी भी राष्ट्र में जब इस मूल्य का समावेश होता है तो यह मूल्य अन्य सभी मूल्यों को जन्म देता है जैसे -

i) न्याय-परायणता → निष्पक्षता → समान व्यवहार → समानता का मूल्य

ii) न्याय परायणता → विधि का शासन → लोक अधिकार की संकल्पना → स्वतंत्रता का मूल्य

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

-आय-परायणता ही वह आधार है जिसने "सामाजिक-न्याय" की भावना को जन्म दिया है। प्लेटो ने भी 'न्याय' को सभी सद्गुणों में सर्वोपरी माना। जब हम उचित प्रकार से वस्तुस्थ होकर न्याय करते हैं तो हमें पिछड़े व दलित वर्गों के पक्ष में कदम उठाने पड़ते हैं। जब उनका विकास होता है तो शांति स्थापना अवश्यंभावी हो जाती है।

आज भी न्यायालय के एक अच्छे निर्णय का प्रभाव हर देश वासी पर पड़ता है। उसी प्रकार विश्व बैंक के सुशासन के तत्वों में उपस्थित कानून का शासन, जवाबदेहिता जैसे तत्व मूलतः इसी न्याय-परायणता के उपोत्पाद स्वरूप होते हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) "मैं लोकतंत्र को ऐसी वस्तु के रूप में समझता हूँ, जो कमज़ोर को भी मज़बूत के समान ही मौका देती है।" - महात्मा गाँधी (150 शब्द) 10

"I understand democracy as something that gives the weak the same chance as the strong." – Mahatma Gandhi (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

महात्मा गांधी का यह कथन लोकतंत्र के सकारात्मक प्रभावों का विवेचन करता हुआ प्रतीत होता है। इस कथन के अर्थ को निम्न प्रतीकों व उदाहरणों से समझा जा सकता है।

(क) अब्राहम लिंकन ने जैसे -

- जनता का : (हर व्यक्ति समाहित उदा० वयस्क मताधिकार)
- जनता के द्वारा (व्यवस्थापिका में हर समुदाय को नेतृत्व (आरक्षण के द्वारा)
- जनता के लिये शासन बताया (नीतियाँ व कानून भी लोककल्याण हेतु - उदा० मनरेगा, आयुष्मान भारत जैसी योजना)

दूसरे अर्थों में इसे 'चर्चा की संस्कृति' बताया गया है अर्थात- लोकतंत्र वह

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

अवस्था है जिसमें हर व्यक्ति को अपने विचारों द्वारा चर्चा करने का हक मिलता है। तीसरे स्तर पर उपयोगितावादी विचारकों ने भी 'हर व्यक्ति को एक' गिनते हुए लोकतंत्र अवस्था की नींव डाली।

इन सभी उदाहरणों से स्पष्ट होता है कि आधुनिक लोकतांत्रिक व्यवस्था गांधीजी के तालीम, उनके अंत्योदय आदि सिद्धान्तों के साथ न्याय कर पाती है।

उदाहरण के लिये भारतीय लोकतंत्र में हर समुदाय (अनुसूचित जाति/ जनजाति) का प्रतिनिधित्व है, उनके लिये अनेक कानून भी बनाये गये हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(c) "बिना हृदय को शिक्षित किये मस्तिष्क को शिक्षित करना, कोई शिक्षा नहीं है।" -अरस्तू
(150 शब्द) 10

"Educating the mind without educating the heart is no education at all". –Aristotle
(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अरस्तु का यह कथन शिक्षा के अर्थ को विस्तृत आधारों पर तौलता है। इस कथन का अर्थ है कि शिक्षा का अर्थ केवल तथ्यों का समावेश करना, ज्ञान की पुस्तकों को पूरी तरह रट लेना ही नहीं है बल्कि अपने हृदय पक्ष अर्थात - सकारात्मक मूल्यों - जैसे - करुणा, संवेदना, न्याय, विवेक आदि का विकास करना भी है।

'महात्मा गांधी' ने भी अपनी शिक्षा व्यवस्था में आत्मा व मस्तिष्क को शामिल किया था जिसमें ज्ञान के साथ-साथ विभिन्न मूल्यों के द्वारा आत्मिक विकास को बुना भी था।

आज के समय में जिन 'मूल्यों की क्राइसिस' के संकटों से

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

दुनिया जूझ रही है। उन्हें देखते हुए अरस्तु का यह कथन शिक्षा के संपूर्ण अर्थों को प्रकट करता हुआ ही प्रतीत होता है।

वॉरेन बफेट भी कहते हैं कि बिना सत्यनिष्ठा का ज्ञान व प्रतिभा अधिक खतरनाक होती है तो वहाँ भी मूल्यों को अरस्तु के हृदय पक्ष से जोड़कर ही देखा जा सकता है।

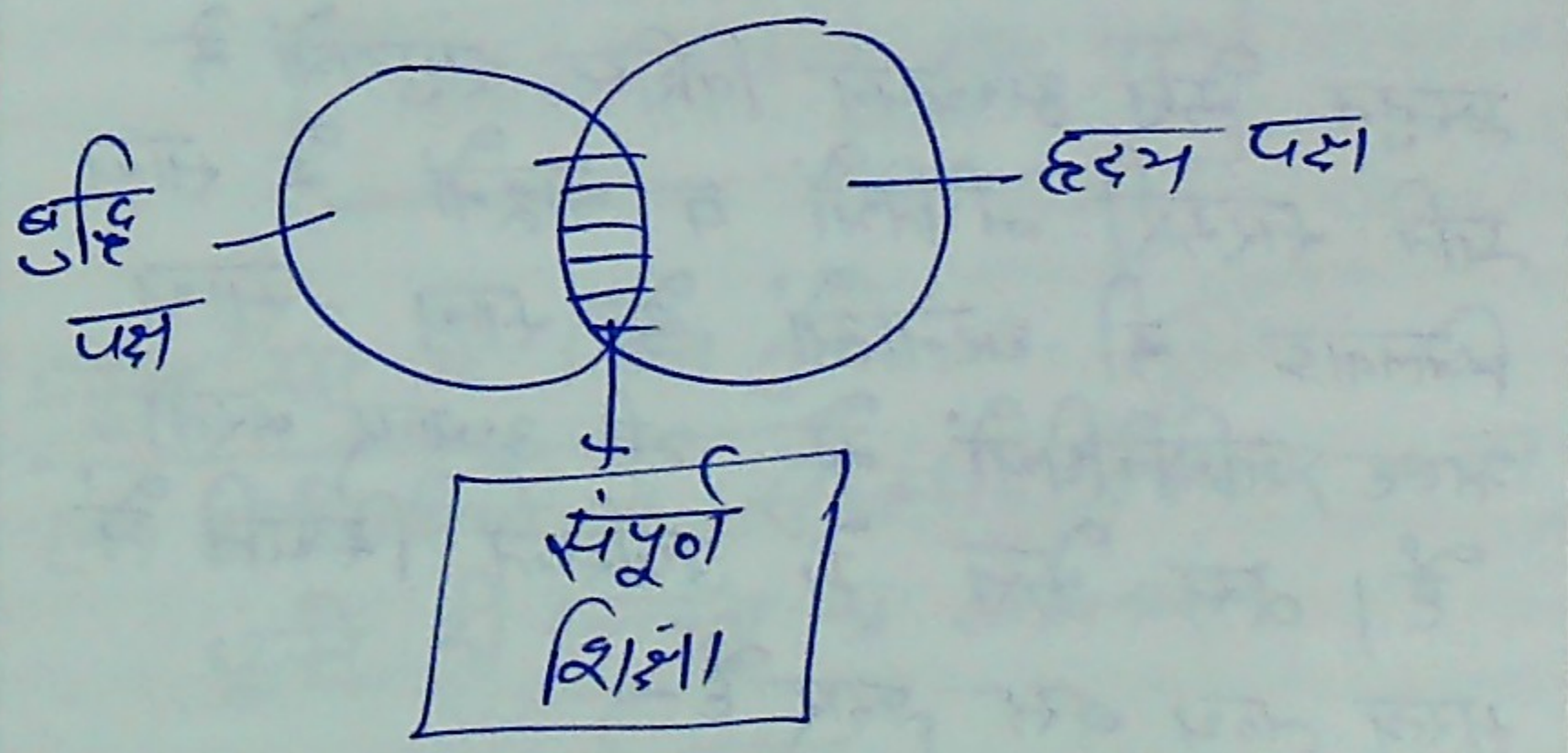

आज के डेनियल गोलमैन के 'भावनात्मक बुद्धिमत्ता' से साधारण बुद्धिमत्ता से उच्च साबित करना ही अरस्तु के इस कथन की प्रासंगिकता सिद्ध करता है-

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड - ख/ SECTION - B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

8. आदिवासी, समाज की मुख्य धारा से अलग रहने वाले लोग हैं, जो अपनी विशिष्ट संस्कृति एवं रहन-सहन के लिये जाने जाते हैं। ये हमेशा से आकर्षण के केंद्र रहे हैं। न केवल देशी बल्कि विदेशी पर्यटक भी इनकी संस्कृति को जानने के लिये उत्सुक रहते हैं। सरकार द्वारा कानून बनाकर इनकी स्वायत्तता को सुनिश्चित किया गया है। इस कानून के अनुसार, कोई भी व्यक्ति आदिवासियों के वासस्थल पर नहीं जा सकता है, किंतु स्थानीय मछुआरों द्वारा अवैध तरीके से विदेशियों से अधिक पैसा लेकर उन्हें आदिवासियों के क्षेत्रों में पहुँचाया जाता है। कुछ धर्म प्रचारक भी वहाँ अपने धर्म का प्रचार करने का प्रयास कर रहे हैं। यह मामला प्रकाश में तब आया, जब एक विदेशी व्यक्ति की आदिवासियों द्वारा हत्या कर दी गई, जिसने अवैध तरीके से आदिवासियों के इलाके में प्रवेश किया था।

इस संदर्भ में सरकार द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए एक टीम गठित की गई है। आदिवासी मामलों के जानकार होने के नाते आपको उस टीम का नेतृत्व दिया गया है, जिसे कानून के उल्लंघन की जाँच एवं इन अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों के प्रति अनुशासनात्मक कार्रवाई करनी है। इस समस्या के संदर्भ में उठाए गए तात्कालिक और दीर्घकालिक कदमों की चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 20

Tribals are people living separately from mainstream society, who are known for their distinct culture and lifestyle. They are always the centre of attraction. Not only native but also foreign tourists are eager to know about their culture. Their autonomy has been ensured by the Government by enacting a law. According to this law, nobody can go to the homestead of the tribals. But foreign tourists are illegally charged exorbitantly and are taken to tribal areas by the local fishermen. Also, some religious preachers are trying to propagate their religion. The matter came to light when a foreigner, who had illegally entered the tribal area, was murdered by tribals.

A team has been formed through quick action of the government in this connection. As an expert in tribal affairs, you have been given the leadership of the team, which has to investigate violations of law and recommend disciplinary action against those indulging in these illegal activities. Suggest the immediate and long-term steps that can be taken with respect to this problem. (250 words) 20

प्रस्तुत केस अध्ययन विशिष्ट समुदायों के प्रति सरकारी नीतियों व कानूनों के साथ खिलवाड़ की घटनाओं के साथ-साथ भ्रष्ट गतिविधियों को भी उजागर करता है। इस केस में उपस्थित स्थिति में मुख्य तथ्य इस प्रकार हैं-

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

D प्रमुख तथ्य

- आदिवासी लोगों के आवास
- अवैध प्रवासन
- नीतियों का उल्लंघन
- स्थानीय मदुआरों का गठजोड़
- धर्म प्रचारकों की गतिविधियाँ
- आदिवासियों की संस्कृति

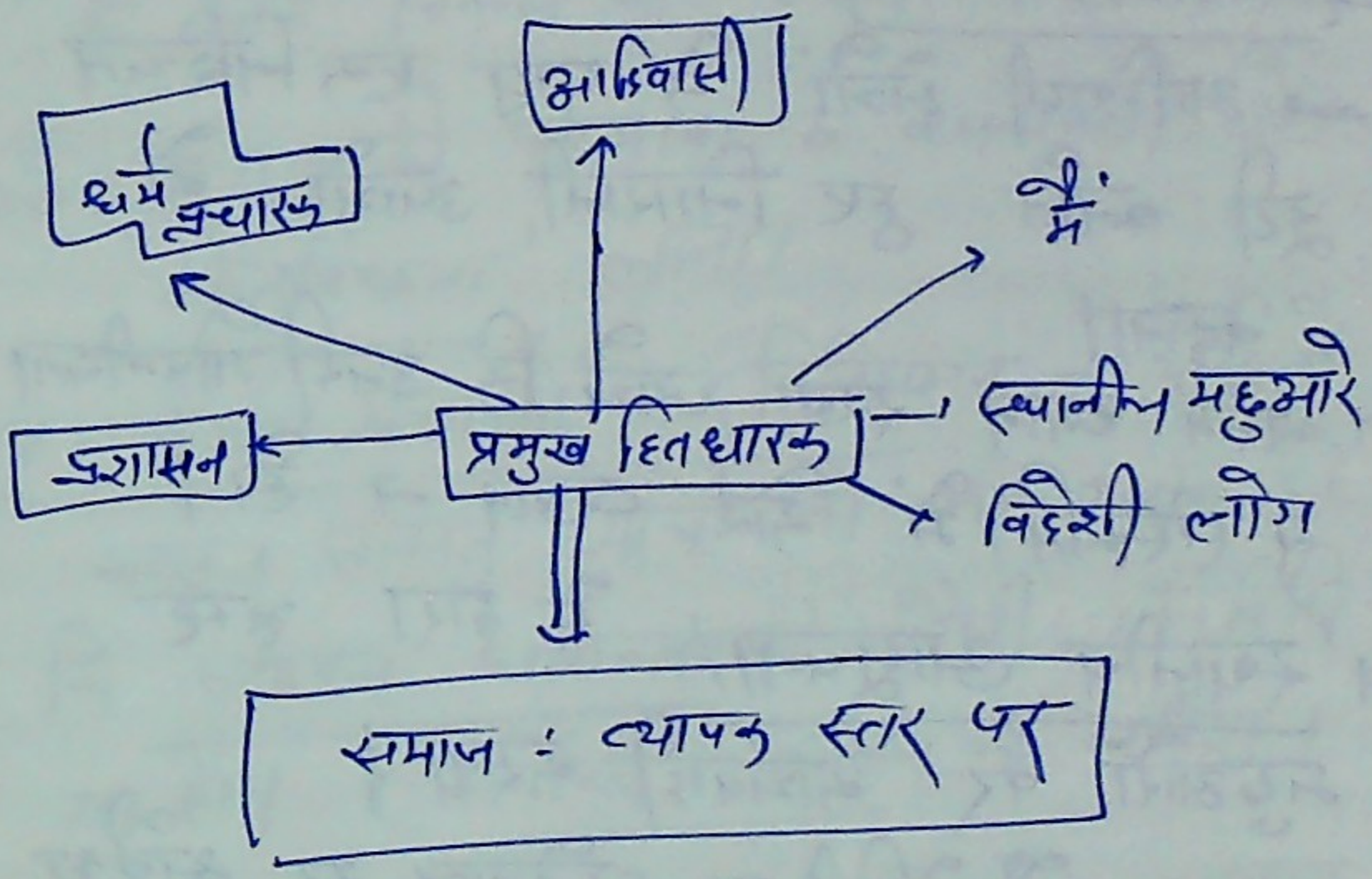

प्रमुख केस में निहित मुद्दे

(क) आदिवासियों के सांस्कृतिक अधिकार बनाम घूमने की स्वतंत्रता का अधिकार

(ख) जबरन धर्म प्रचार।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(ग) आदिवासियों के आंतरिक मामलों में दखल।
(घ) विदेशी पर्यटकों का विनियमन।
(ङ) स्थानीय गठजोड़ को तोड़ना।
(च) सरकारी कानूनों के उल्लंघन के मुद्दे।

उपर्युक्त परिस्थिति में मेरे द्वारा किये जाने वाले कार्य इस प्रकार होंगे

1) तात्कालिक कदम

→ आदिवासी क्षेत्रों के पास एक निश्चित दूरी बनाते हुए निगरानी उपायों को बढ़ाना।

→ इसमें ध्यान रखा जाये कि उनकी गोपनीयता व संस्कृति में कोई दखल न हो।

→ 'स्थानीय आसूचना' के द्वारा भ्रष्ट मछुआरों पर कार्यवाही करना।

→ सूचना प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर अवैध प्रवासन की जाँच करना।

→ धर्म प्रचारकों के मुख्य गुरुओं से मिलकर बातचीत करना (भावनात्मक बुद्धिमत्ता)

→ कानूनों के उचित क्रियान्वयन के लिये

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

सभी अधिकारियों को विश्वास में लेते हुए कार्य करना।

दीर्घकालिक कदम

(क) एक उचित नीति का निर्माण करना जिसमें आदिवासियों से अपेक्षित दूरी के साथ नेहरू जी के 'पंचशील सिद्धान्तों' के साथ उनसे बातचीत का विकल्प रखा जाये। व साथ ही उनके विकास का ध्यान रखा जाये।

(ख) कानून की परिभाषा व शब्दावली में 'वस्तुनिष्ठता' लाना।

(ग) धर्म प्रचारकों पर विनियमन - यदि वे कानून सम्मत जायें तो भी ध्यान रहे कि 'जबरन धर्मान्तरण' जैसी गतिविधि न हो। (सर्वोच्च न्यायालय का आदेश)

(घ) मछुआरों आदि के गठजोड़ को समाप्त करने हेतु प्रभावी आसूचना तंत्र विकसित करना व ऐसे कृत्यों पर दंड का प्रावधान बनाना।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(ङ.) बी. डी. शर्मा जैसे पूर्व अधिकारी जिन्होंने आदिवासी कल्याण में प्रमुख कार्य किये के उदाहरणों का प्रयोग करना।

(च) विदेशी व घरेलू पर्यटकों का डेरा बनाना, उनके दिशा-निर्देशों के साथ-साथ उनके 'गाइडों' को भी उचित निर्देश देना।

इस प्रकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 के अनुसार जिस प्रकार के संरक्षण के प्रावधान आदिवासियों के संबंध में किये गये हैं। उनका अक्षरशः पालन करना भी हमारे लिये अनिवार्य होना चाहिये। इन्हीं मुद्दों पर मेरे निर्णय टिके हैं।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. लोकसेवकों का यह कर्त्तव्य है कि लोगों की सेवा ईमानदारी, सत्यनिष्ठा एवं ज़िम्मेदारी के साथ करें। लोकसेवकों में इन्हीं मूल्यों को अंतर्निविष्ट करने के लिये सिविल सेवा परीक्षा के पाठ्यक्रम में भी नीतिशास्त्र विषय को शामिल किया गया है। इसके साथ ही प्रशिक्षण के दौरान अतिरिक्त गतिविधियों के माध्यम से सिविल सेवकों को इसके लिये तैयार किया जाता है। इसके बावजूद सेवा में शामिल होने के पश्चात् कई लोकसेवकों को नैतिक पथ से विचलित होकर अवैध एवं भ्रष्ट व्यवहार में संलिप्त होते हुए देखा गया है। लोकसेवकों में बढ़ती हुई इस प्रवृत्ति को रोकने के लिये कार्मिक मंत्रालय द्वारा एक बोर्ड का गठन किया गया है तथा एक वरिष्ठ लोकसेवक होने के नाते आपको उसका चेयरमैन बनाया गया है। इसी दौरान जाँच एजेंसियों द्वारा एक लोकसेवक के अवैध भू-आवंटन से संबंधित भ्रष्टाचार के मामले में संलिप्त होने की पुष्टि की गई। लोकसेवा की आड़ में करोड़ों की व्यक्तिगत संपत्ति का संग्रह करना लोकसेवकों के नैतिक पतन का परिचायक है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

लोकसेवकों में उभरती हुई इस प्रवृत्ति को रोकने के लिये सरकार द्वारा क्या प्रयास किये गए हैं? इस समस्या के संदर्भ में आप क्या उपाय सुझाएंगे? (250 शब्द) 20

It is the duty of the public servants to serve the people with honesty, integrity and responsibility. Ethics has also been incorporated in the syllabus of civil services examination to inculcate these values in public servants. Also, civil servants are prepared for the same through additional activities during training. Despite this, many public servants after joining the service have been found deviating from the moral path and indulging in illicit and corrupt practices. A board has been constituted by the Ministry of personnel to check this growing trend in public servants. As a senior public servant, you have been made its Chairman. Meanwhile, a public servant was confirmed to be involved in the corruption related to illegal land allotment by the investigating agencies. The embezzlement of millions in personal property under the guise of public service is a reflection of the moral decay of public servants.

What efforts have been made by the Government to check this rising trend in public servants? What measures will you suggest in the context of this problem?
(250 words) 20

प्रस्तुत केस स्टडी सिविल सेवकों में नैतिक मूल्यों के संकट के साथ-साथ भ्रष्टाचार की समस्या, आचरण में विरुपता के साथ-साथ उनके द्वारा लोककल्याण से विमुख होने की प्रवृत्ति को चित्रित किया गया है। दुष्यन्त कुमार ने इसी भ्रष्टाचार पर एक व्यंग्य लिखा है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

"कहाँ तो तय था चिराग हर मकाँ के लिये
हर कस शहर को भी चिराग मयस्सर नहीं।"

लोकसेवकों में भ्रष्टाचार को रोकने के सरकारी प्रयास :-

① नैतिकता के स्तर पर :-
- आचरण संहिता का निर्माण

② कानूनों के स्तर पर
- भ्रष्टाचार विरोधी कानून 1988
- सूचना का अधिकार अधिनियम
- सिटीजन चार्टर
- व्हिसल ब्लोअर एक्ट
- प्रतिस्पर्धा आयोग व भ्रष्टाचार विरोधी कानून

③ संस्थागत स्तर पर
- केन्द्रीय व राज्य सतर्कता आयोग
- लोकपाल व लोकायुक्त
- मंत्रालय सतर्कता यूनिट

④ प्रशासनिक स्तर पर

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

- उच्चस्थों द्वारा अधीनस्थों की रिपोर्टिंग करना
- आरोपी के स्तर पर विभागीय जाँच।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

⑥ सामाजिक नियंत्रण :-
- सूचना अधिकार व सिटीजन चार्टर
- सामाजिक अंकेक्षण।

अतः इन सब उपायों के बावजूद भ्रष्टाचार नहीं रुक रहा है इसका कारण यह है कि चाणक्य ने कहा था कि जिस प्रकार जिह्वा के अग्रभाग पर लगे शहद को चाटने से खुद को रोक पाना असंभव है, उसी प्रकार भ्रष्ट आचरण न करना भी पूर्णतः संभव नहीं है।

सिफारिशें

ⓘ नैतिकता के स्तर पर
- कोड ऑफ एथिक्स का निर्माण करना।
- हर विभाग में 'नैतिक आयुक्त' के पद का सृजन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

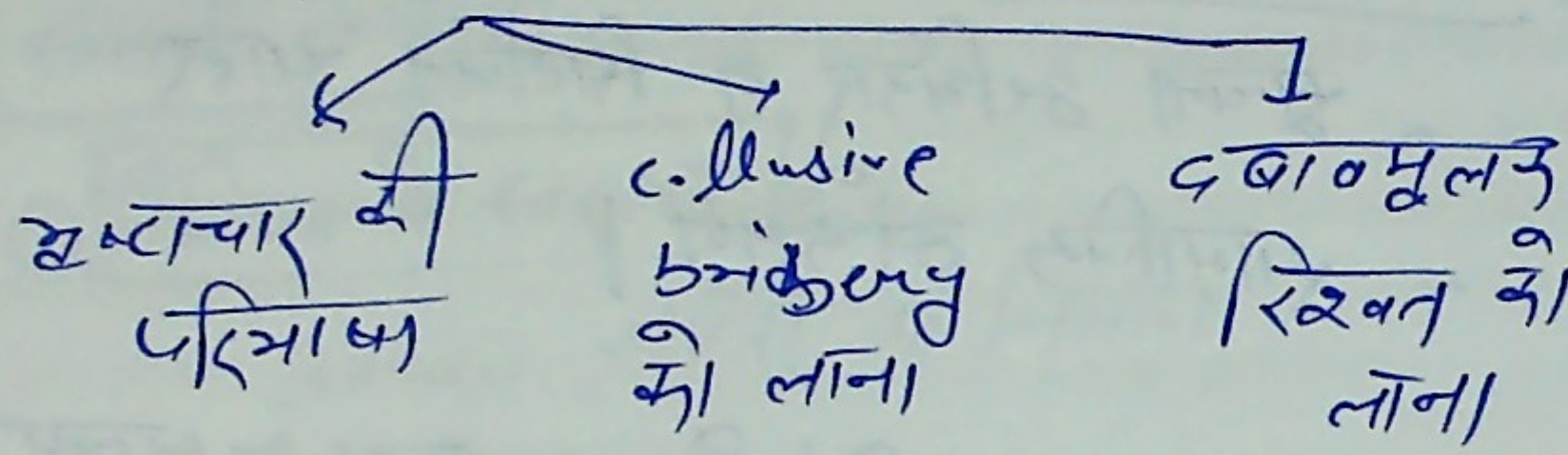

- सत्यनिष्ठा परीक्षाएँ लेना।

(2) **कानूनों के स्तर पर**

- पी.सी. ए. एक्ट में सुधार करना।

भ्रष्टाचार की परिभाषा	collusive bribery को लाना।	दबावमूलक रिश्वत को लाना।

- आर.टी. आई को प्रभावी बनाना।
- सिरीयस फ्रॉड एक्ट (Serious fraud Act) का निर्माण।

(3) **संस्थागत स्तर पर**

- लोकपाल का गठन कर उसे उचित शक्तियाँ देना।

(4) **सामाजिक स्तर पर**

- मिथ्या दावा एक्ट का निर्माण।
- ~~सामा~~ सामाजिक जवाबदेही बढ़ाना।
- ई-शासन प्रणाली

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(4) प्रशासनिक स्तर पर

- 360° पदोन्नति
- उत्पादों की जिम्मेदारी तय करना
- सभी आयोगों में समन्वय।

इस प्रकार निम्न सुझावों से संभव है कि इस प्रकार की प्रवृत्तियों पर रोक लगे।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

10. आप एक ईमानदार एवं कर्त्तव्यनिष्ठ लोकसेवक हैं। ज़िलाधिकारी के तौर पर आपकी नियुक्ति एक ऐसे क्षेत्र में हुई है जो धार्मिक मामले में अत्यंत संवेदनशील है। उस जिले में एक अत्यंत प्राचीन धार्मिक स्थल अवस्थित है, जहाँ एक धार्मिक मान्यता के कारण कम आयु वर्ग की महिलाएँ आज तक प्रवेश नहीं पा सकी हैं। यह निःसंदेह एक नागरिक के तौर पर महिलाओं को संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। महिलाओं के हित में कार्य करने वाली एक संस्था ने देश के सर्वोच्च न्यायालय में उक्त भेदभाव को समाप्त करने से संबंधित याचिका दायर की, जिस पर सर्वोच्च न्यायालय ने महिलाओं के पक्ष में निर्णय देते हुए धर्मस्थल पर उनके प्रवेश निषेध को समाप्त करने हेतु सरकार को आदेश दिया है। ज़िला स्तर पर इसका अनुपालन कराने की ज़िम्मेदारी आपको दी गई है। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का कुछ धार्मिक समूहों– श्राइन बोर्ड (Shrine Board) के साथ-साथ आम लोगों द्वारा विरोध किया जा रहा है, जिन्हें कुछ राजनीतिक दलों का सहयोग भी प्राप्त है। उनका तर्क है कि संविधान द्वारा धार्मिक मामलों में उन्हें स्वतंत्रता प्रदान की गई है। ऐसे में कुछ महिलाएँ जो धर्मस्थल में प्रवेश का प्रयास कर रही थीं, उनको अन्य भक्तों द्वारा रोक दिया गया एवं उनके साथ बदसलूकी भी की गई और यह घोषित कर दिया गया कि जो भी महिला ऐसा करने का प्रयास करेगी, उसका खामियाज़ा उसे भुगतना होगा। ऐसे में उन महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा उठता है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(a) इस प्रकरण में अंतर्निहित नैतिक मुद्दों को स्पष्ट कीजिये।

(b) इस स्थिति में आपके समक्ष उपस्थित विकल्पों को बताते हुए उनके गुण-दोषों की चर्चा कीजिये और बताएँ कि आप किस विकल्प का चयन करेंगे? (250 शब्द) 20

You are an honest and conscientious public servant. Your appointment as a district officer has been in a region that is highly sensitive to religious matters. A very ancient religious place is located in the district where women in the lower age group have not been able to enter till today due to religious beliefs. It is, of course, a violation of the fundamental rights provided by the Constitution to women as citizens. An institution working for women's welfare filed a petition in the Supreme Court of the country to end the discrimination on which the Court, by giving a judgment in favour of women, has ordered the government to end the prohibition of admission to the shrine. You have been given the responsibility of complying with the order at the district level. The Supreme Court judgement is being opposed by some religious groups, shrine board as well as by the common people who are also being encouraged by some political parties. Their argument is that they have got freedom by the Constitution in religious matters. Some women who were trying to enter the shrine were stopped and mistreated by other devotees and it was declared that women who tried to do so will have to suffer the consequences. In this situation, the issue of safety of such women has arisen.

(a) Explain the underlying ethical issues in this episode.

(b) In this case, discuss the options available to you mentioning the merits and demerits of each option. What option will you choose and why? (250 words) 20

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्रस्तुत केस अध्ययन यह स्पष्ट करता है कि किस प्रकार प्राचीन व रूढ़ीवादी मान्यताएँ आधुनिक मूल्यों से टकराकर भयंकर परिस्थितियाँ उत्पन्न कर देती है। हालिया केरल में सबरीमाला मंदिर का मुद्दा भी कुछ इसी प्रकार का ही है।

केस अध्ययन

मुख्य तथ्य
- न्यायालय का निर्णय
- धार्मिक मान्यताएँ
- राजनीतिक दल
- मंदिर के पुजारी

मूल्य
- निष्पक्षता
- सत्यनिष्ठा
- संवेदना
- दृढ़ता
- साहस

हितधारक
- महिलाएँ
- धार्मिक व्यक्ति
- मैं
- राजनीतिक दल
- मंदिर बोर्ड
- संपूर्ण समाज

नैतिक मुद्दे

(क) समानता का अधिकार बनाम धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार

(ख) सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय पालन

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

के मुद्दे।

(ग) 'आस्था' बनाम 'तर्क' का द्वन्द्व

(घ) सिविल सेवक के तौर पर 'बहुमत के निर्णय' बनाम 'उचित निर्णय' के मध्य द्वन्द्व।

(ङ) 'रूढ़ीवादी मान्यताएँ' बनाम आधुनिक मूल्य।

(च) महिलाओं के प्रति पितृसत्तात्मकता के संबंधित मुद्दे।

प्रमुख विकल्प

(क) महिलाओं को मंदिर जाने से रोक दूँ।

लाभ	हानि
(क) धार्मिक अधिकारों का संरक्षण।	- महिलाओं की समानता बाधित
(ख) उपद्रव से बचाव	- रूढ़ीवादी पितृसत्तात्मक मान्यताओं को प्रोत्साहन
	- मेरे कर्त्तव्य पालन न करना।

2 महिलाओं को अंदर जाने के लिए बल तैनात करना व बाधक तत्वों पर कड़ी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कार्यवाही करना।

लाभ	हानि
- न्यायालय के आदेश का पालन।	- भयंकर उपद्रव हो सकता है।
- महिला समानता।	- मंदिरों में बल प्रयोग लोगों की आस्था प्रभावित कर सकता है।
- धार्मिक रूढ़ीवादिता पर कटाक्ष।	
- कर्तव्यपालन मेरे	
- मेरे अंदर आंतरिक सुसंगति।	

इस परिस्थिति में मैं पहला कार्य तो यही करूँगा कि महिलाओं के मंदिर प्रवेश कराने के आदेश का पालन पूर्णत: करवाऊँ क्योंकि -

(क) सिविल सेवक 'समाज सुधार के एजेंट' भी होते हैं।

(ख) संविधान के साथ साथ समाज को भी लोकतांत्रिक बनाना होगा।

(ग) महिलाओं को पुरुषों के बराबर दर्जा दिलाने के लिये।

(घ) 'सामाजिक न्याय' को बनाने के लिये।

(ङ) कोर्ट के अनुसार मुझे मेरे कर्तव्य

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

का पालन केवल कर्त्तव्यपालन हेतु करना चाहिये।

च। गोविंद सिंह जी ने भी अन्याय के लाखों लोगों के विरुद्ध भी लड़ने को लेकर कहा था- "चिड़ियों से मैं बाज लड़ाऊँ।"

किन्तु साथ-साथ -

→ मैं धार्मिक व्यक्तियों से बातचीत करूँगा।

→ राजनीतिक तत्वों से बात करूँगा कि उन्हें प्रगतिशीलता के पक्ष में रहना चाहिये।

→ महिलाओं को एकता प्रदर्शित करने के लिये महिला संगठनों से बात करूँगा क्योंकि अगर महिलाएँ आवाज उठायेंगी तो विरोध कम होगा।

इस प्रकार उपर्युक्त कार्यवाही से मैं प्रयास करूँगा कि महिलाओं के अधिकारों के साथ-साथ अन्य लोगों के हित भी सध जायें।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।

(Candidate must no write on this margi

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. खेल मानव जीवन में सिर्फ मनोरंजन के साधन न होकर आत्म-नियंत्रण, सद्गुण, सहिष्णुता, सत्यनिष्ठा तथा सामाजिक शिष्टता के प्रभावी स्रोत भी होते हैं, किंतु खेल 'निष्पक्ष व्यवहार' तथा 'समान अवसर' प्रदान करने वाली भावना को तभी आगे बढ़ा सकते हैं जब खेलों में खेल नैतिकता से जुड़े मूल्यों को संवर्द्धित किया जाए तथा खेल से जुड़े लोगों द्वारा इन मूल्यों को आत्मसात् किया जाए। हाल में मीडिया में कुछ ऐसे प्रकरण सामने आए हैं, जिनमें खेल से जुड़े कुछ प्रमुख व्यक्तित्वों द्वारा विवादित टिप्पणी करना न केवल खेल भावना एवं खेल नैतिकता का अपमान है बल्कि सामाजिक दायित्वों की भी उपेक्षा है।

आप एक खेल विनियामक संस्था के प्रमुख हैं तथा आपको उपर्युक्त प्रकरण को ध्यान में रखते हुए खेल नैतिकता में आई इस तरह की गिरावट को दूर करने के लिये आवश्यक सुझाव देने के लिये कहा गया है। इन परिस्थितियों में आप क्या सुझाव देंगे? (250 शब्द) 20

Sports are also an effective source of self-control, virtue, tolerance, integrity and social decency and not just means of recreation in human life. But sports can promote the spirit of 'fair behaviour ' and ' equal opportunities ' only if games incorporate the moral values and people associated with sports inculcate these values. Recently, there has been some mention in the media where certain prominent sports personalities are giving controversial comments. It is not only insulting to the sporting spirit and sports ethics but also disregards social obligations.

You are the head of a sports regulatory body and you have been asked to give necessary suggestions to rectify decline in sports ethics keeping in view the above mentioned case. What would you suggest in these circumstances? (250 words) 20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्लेटो ने कहा है कि
" आप किसी व्यक्ति से 1 वर्ष की बातचीत ~~से~~ के बजाय ~~ज्यादा~~ उसके साथ 1 घंटे का खेल खेलकर उसके बारे में ज्यादा जान सकते हैं।"

उपर्युक्त पंक्तियाँ खेल की महत्ता को प्रदर्शित करती है किन्तु इस केस स्टडी में निहित मुद्दों को देखने पर स्पष्ट

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

पता चलता है कि इन खिलाड़ियों की टिप्पणियों का 'खेल' पर प्रभाव पड़ता है।

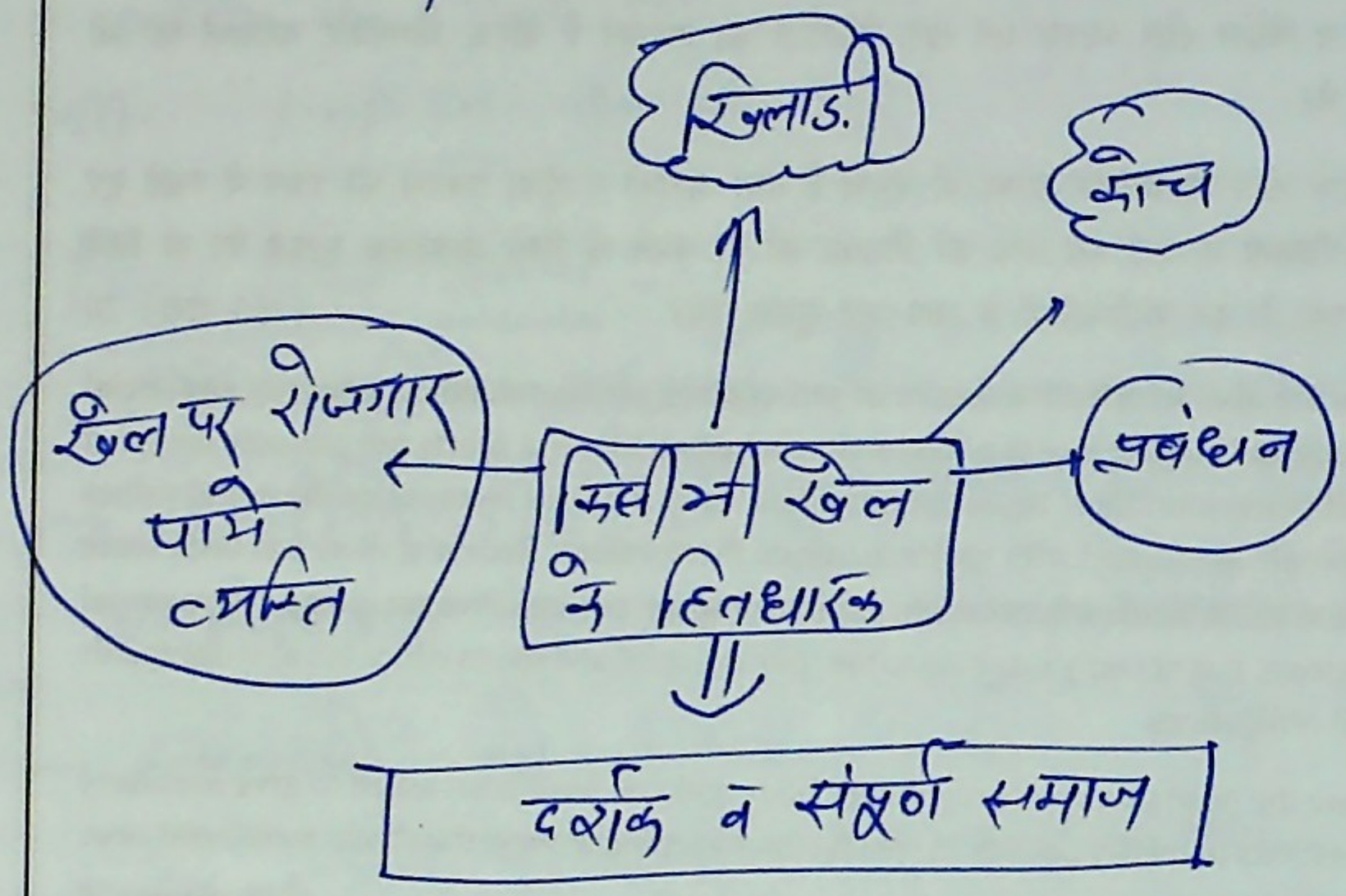

विनियामक संस्था के प्रमुख होने के नाते मैं निम्न कार्य करूँगा -

1) खिलाड़ियों के स्तर पर
   - कोड ऑफ कंडक्ट बनाना।
   - टीम भावना के तहत खिलाड़ियों की पारस्परिक जिम्मेदारी तय करना।
   - एक सोशल मीडिया या मीडियो कंडक्ट का निर्माण करना।
   - किसी भी खेल निर्णय पर प्रश्न

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।
(Candidate must no write on this margi

उठाने पर आनुशासनात्मक कार्यवाही करना

कप्तान – कप्तान की जिम्मेदारी देना की वह अपनी टीम के बयानों को नियंत्रित करे व मीडिया से बातचीत केवल वही करे।

कोच – कोच की जिम्मेदारी तय करना कि वह टीम के स्तर पर ध्यान रखे।

↓

इन सबके ऊपर प्रबंधन की जिम्मेदारी तय करना।

इस प्रकार सोपानिक जिम्मेदारी देते हुए मैं एक 'सत्यनिष्ठा परीक्षा' का आयोजन भी करवाऊँगा। साथ ही नैतिकता प्रशिक्षण' का भी आयोजन करवाऊँगा ताकि 'स्पोर्ट्समैनशिप के गुण' उनके निजी जीवन में भी झलक सके।

कारण

(i) खेल वैश्विक है जबकि

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

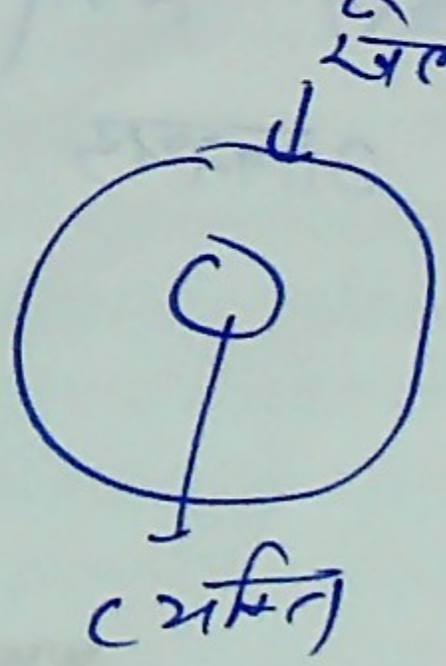

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

व्यक्ति उसका भाग।
- किसी भी खिलाड़ी के बयान उसकी [आत्मनिष्ठा] (मनसा, वाचा, कर्मणा) पर प्रश्न उठाते हैं।
- यदि 'खेल भावना' व 'खेल नैतिकता' पर खतरा मंडराता है तो पूरे खेल का अस्तित्व ही खतरे में पड़ जायेगा।
→ केवल खिलाड़ी ही खेल के तत्व नहीं है बल्कि [दर्शक] भी है। अतः उनका 'लोक विश्वास' खेल में बनाये रखने के लिये कई नियम आवश्यक है।

इस प्रकार हालिया हार्दिक पांड्या व लोकेश राहुल के आपत्तिजनक बयानों से जिस प्रकार खेल भावना प्रभावित हुई। उसे रोकने के लिये इस प्रकार के कदम उठाना अत्यन्त आवश्यक है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।
(Candidate must no write on this margi

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation